वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक: IMF

drishtiias.com/hindi/printpdf/world-economic-outlook-imf

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने अपनी नवीनतम 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में तकरीबन 11.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है।

GDP growth

(Estimates/Projections : In %)

Agencies	2020-21	2021-22
IMF	(-) 8.0	11.5
FITCH	(-) 9.4	11
OECD	(-) 9.9	8
UBS	(-) 7.5	11
S&P	(-) 7.7	10

प्रमुख बिंदु

भारत से संबंधित अनुमान

- **वित्तीय वर्ष 2020-21:** चालू वित्त वर्ष के लिये अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भारतीय अर्थव्यवस्था में 10.3 प्रतिशत के संकुचन का अनुमान लगाया है।
- **वित्तीय वर्ष 2021-22:** 1 अप्रैल, 2021 से शुरू होने वाले आगामी वित्तीय वर्ष के लिये जीडीपी की वृद्धि दर लगभग 11.5 प्रतिशत रह सकती है, जो कि बीते वर्ष अक्तूबर माह में प्रस्तुत अनुमान से लगभग 2.7 प्रतिशत अधिक है।
    - पिछले वर्ष अक्तूबर माह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की कुल जीडीपी में लगभग 8.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान जताया था, जो कि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक था।
- **वित्तीय वर्ष 2022-23: रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था में संभवतः 6.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।**

2020-21 के लिये सरकार का अनुमान

केंद्र सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत का संकुचन दर्ज किया जा सकता है, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक के आँकड़ों की मानें तो इस वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.5 प्रतिशत का संकुचन हो सकता है।

आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में बढ़ोतरी का कारण

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के मुताबिक, भारत ने महामारी से निपटने और इसके आर्थिक परिणामों को कम करने के लिये कई महत्त्वपूर्ण निर्णायक कदम उठाए हैं, जिसके कारण आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर अनुकूल प्रभाव देखा जा सकता है।

महामारी से निपटने को सरकार द्वारा किये गए उपाय

- महामारी के आर्थिक प्रभावों से निपटने के लिये बीते वर्ष मार्च माह में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **आर्थिक राहत पैकेज** की घोषणा की थी।
- **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना: सरकार ने भी गरीबों को कोरोना वायरस महामारी से मुकाबला करने के लिये सहायता हेतु नवगठित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की थी।**
- **आत्मनिर्भर भारत अभियान:** आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य वैश्विक बाज़ार में अपनी हिस्सेदारी के लिये सुरक्षा अनुपालन और गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ प्रतिस्थापन पर ध्यान केंद्रित कर आयात निर्भरता को कम करना है।
    - सरकार द्वारा व्यवसायों, विशेष तौर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिये 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत तरलता उपायों की घोषणा की गई।

वैश्विक अनुमान

OVERVIEW OF WORLD ECONOMIC OUTLOOK PROJECTIONS

	YEAR-OVER-YEAR (% CHANGE) PROJECTIONS	
Nation	2021	2022
The United States	5.1	2.5
Germany	3.5	3.1
The UK	4.5	5.0
China	8.1	5.6
India*	11.5	6.8

*For India, data and forecasts are presented on a fiscal year basis and GDP from 2011 onward is based on GDP at market prices with fiscal year 2011/12 as a base year; source: IMF

वैश्विक अर्थव्यवस्था

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2021 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5.5 प्रतिशत और वर्ष 2022 में 4.2 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है।
  - IMF ने वर्ष 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 3.5 प्रतिशत के संकुचन की आशंका जताई है, जबकि पहले वैश्विक अर्थव्यवस्था में 4.4 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान व्यक्त किया गया था।
- IMF ने अपने पूर्व अनुमान की तुलना वर्ष 2021 के अनुमान में 0.3 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की है, जिसका मुख्य कारण यह है कि आने वाले समय में वैक्सीन के परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियों में और अधिक मज़बूती आ सकती है, साथ ही कुछ विशाल अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लिये गए नीतिगत उपायों के कारण भी आर्थिक वृद्धि दर में बढ़ोतरी हो सकती है।

वैश्विक व्यापार में वृद्धि का अनुमान

- वर्ष 2021 में वैश्विक व्यापार की मात्रा में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।
- IMF को उम्मीद है कि वर्ष 2021 में तेल की वैश्विक कीमतें वर्ष 2020 की तुलना में 20 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं, हालाँकि इसके बावजूद ये कीमतें वर्ष 2019 की औसत कीमत से काफी नीचे बनी रहेंगी।
- वर्ष 2021 में गैर-तेल उत्पादों की वैश्विक कीमतों में वृद्धि होने का अनुमान है।

उच्च आर्थिक विकास वाली अन्य वैश्विक अर्थव्यवस्थाएँ

- अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2021 में चीन की अर्थव्यवस्था में 8.1 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी होगी, जिसके बाद स्पेन (5.9%) और फ्राँस (5.5%) का स्थान है।
- चीन, जो कि वर्ष 2020 में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करने वाला एकमात्र प्रमुख देश था, वर्ष 2022 में इसके 5.6 प्रतिशत की दर से आर्थिक विकास करने की उम्मीद है।

असमानता में वृद्धि

- रिपोर्ट में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि महामारी के कारण असमानता के स्तर में हुई वृद्धि की वजह से वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान लगभग 90 मिलियन लोगों के गरीबी रेखा से नीचे चले जाने की संभावना है, साथ ही महामारी से कम शिक्षित महिलाओं, युवाओं और अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों की आजीविका एवं आय पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।
- महामारी के कारण बीते दो दशकों में गरीबी को समाप्त/कम करने की दिशा में प्रगति भी प्रभावित हुई है।
- गौरतलब है कि हाल ही में ऑक्सफैम इंटरनेशनल द्वारा जारी ‘इनइक्वलिटी वायरस रिपोर्ट’ में पाया गया है कि कोरोना वायरस महामारी ने भारत और दुनिया भर में मौजूदा असमानता की स्थिति को और गहरा कर दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund):

- IMF की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् युद्ध प्रभावित देशों के पुनर्निमाण में सहायता के लिये विश्व बैंक (**World Bank**) के साथ की गई थी।
    - इन दोनों संगठनों की स्थापना के लिये अमेरिका के ब्रेटन वुड्स में आयोजित एक सम्मेलन में सहमति बनी। इसलिये इन्हें '**ब्रेटन वुड्स ट्विन्स' (Bretton Woods Twins)** के नाम से भी जाना जाता है।
- वर्ष 1945 में स्थापित IMF विश्व के 189 देशों द्वारा शासित है तथा यह अपने निर्णयों के लिये इन देशों के प्रति उत्तरदायी भी है। भारत 27 दिसंबर, 1945 को IMF में शामिल हुआ था।
- IMF का प्राथमिक उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करना है। अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली से आशय विनिमय दरों और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान की उस प्रणाली से है जो देशों (और उनके नागरिकों) को एक-दूसरे के साथ लेन-देन करने में सक्षम बनाती है।
    - IMF के अधिदेश में वैश्विक स्थिरता से संबंधित सभी व्यापक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों को शामिल करने के लिये वर्ष 2012 में इसे अद्यतन/अपडेट किया गया था।
- **IMF द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट:**
    - वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (Global Financial Stability Report-GFSR)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस